

कृषि क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव

राघवेंद्र सिंह^{1*}, चंद्र शेखर प्रजापति² और शुभम सिंह³

¹स्नातकोत्तर शोधकर्ता, कृषि प्रसार और संचार विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ, उत्तर प्रदेश

²सहायक प्रोफेसर, कृषि और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

³सहायक प्रोफेसर, कृषि विज्ञान विद्यालय, आई. आई. एम. टी. विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश

*E-mail: raghavendrasingh854@gmail.com

सोशल मीडिया ने हमारे जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। आजकल किसान, कृषि विशेषज्ञ, सरकारें, और कृषि से जुड़े अन्य संगठन सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी जानकारी, तकनीक और संसाधनों को साझा कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव न केवल किसानों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है, बल्कि यह कृषि उत्पादन, विपणन, और शिक्षा के क्षेत्र में भी एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहा है।

ज्ञान और जानकारी का प्रसार

सोशल मीडिया के माध्यम से किसान अब विभिन्न कृषि तकनीकों, नवीनतम शोध, और बाजार की स्थिति के बारे में ताजगी से अपडेट रह सकते हैं। विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, और व्हाट्सएप पर कृषि से संबंधित पेज, समूह और चैनल हैं, जहाँ किसान एक-दूसरे से जानकारी साझा करते हैं। कृषि विशेषज्ञ, शोध संस्थान और सरकारी संगठन भी इन प्लेटफॉर्म पर किसानों को जानकारी देते हैं। इससे किसानों को नई तकनीकों, उन्नत उपकरणों, और फसल प्रबंधन के बारे में जानकारी मिलती है, जो उनकी उत्पादकता को बढ़ाने में मदद करती है।

नवाचार और तकनीकी अपनापन

सोशल मीडिया पर किसान नए-नए कृषि उपकरणों, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट कृषि प्रणालियों, और अन्य नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जान सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालयों, कंपनियों और सरकारी एजेंसियों द्वारा किए गए शोध और नवाचार को सोशल मीडिया के जरिए साझा किया जाता है। इससे किसानों को अपनी खेती में उन्नत तकनीकों को अपनाने में मदद मिलती है, जिससे उत्पादन लागत में कमी आती है और उत्पादकता बढ़ती है।

संचार का सस्ता और प्रभावी तरीका

सोशल मीडिया किसानों के लिए एक सस्ता और प्रभावी संवाद का साधन है। पहले किसानों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूर-दराज के कृषि विशेषज्ञों से संपर्क करना पड़ता था, लेकिन अब सोशल मीडिया के माध्यम से वे अपनी समस्याओं

का समाधान जल्दी पा सकते हैं। किसानों के लिए एक मंच पर कृषि विशेषज्ञों और अन्य किसानों से सीधा संवाद करना संभव हो गया है, जिससे उनकी समस्याएँ हल होती हैं और वे अधिक सशक्त बनते हैं।

कृषि विपणन और उत्पादों की बिक्री

सोशल मीडिया किसानों के लिए अपने उत्पादों को बेचने का एक नया और प्रभावी तरीका प्रस्तुत करता है। किसान अब अपने उत्पादों की तस्वीरें और जानकारी सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं और सीधे उपभोक्ताओं या खुदरा विक्रेताओं से संपर्क कर सकते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, और अन्य प्लेटफॉर्म पर ई-कॉमर्स और ऑनलाइन विपणन के बढ़ते चलन से किसानों को अपने उत्पादों को बेचने के नए रास्ते मिल रहे हैं। इससे मध्यस्थों की भूमिका कम होती है और किसानों को अधिक मूल्य मिलता है।

कृषि समुदाय के बीच नेटवर्किंग

सोशल मीडिया किसानों और कृषि समुदाय के बीच नेटवर्क बनाने का एक शक्तिशाली माध्यम है। किसान अब एक-दूसरे के अनुभवों और विचारों से लाभ उठा सकते हैं। वे अपने कृषि उत्पादों, समस्याओं, और समाधान को साझा कर सकते हैं। इससे एक बड़ा कृषि नेटवर्क बनता है, जो जानकारी और संसाधनों का आदान-प्रदान करता है। इस नेटवर्क से किसानों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर मिलता है और वे अपने कार्यों में सुधार कर सकते हैं।

कृषि जागरूकता और सरकारी योजनाओं की जानकारी

सोशल मीडिया के जरिए सरकारें और कृषि विभाग अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में किसानों को जागरूक कर सकते हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं, अनुदान, और सहायता प्राप्त करने के लिए किसानों को सही जानकारी समय पर मिल पाती है। इसके माध्यम से किसान सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं, जो उनके लिए फायदे का सौदा साबित होती है। इसके अलावा, किसान अपनी समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचा सकते हैं, जिससे उनका समाधान जल्दी किया जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन और सतत कृषि प्रथाओं पर शिक्षा

जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि में अनेक चुनौतियाँ आ रही हैं। सोशल मीडिया का उपयोग जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संकट और सतत कृषि प्रथाओं के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए भी किया जा रहा है। विभिन्न प्लेटफार्मों पर किसानों को जलवायु-स्मार्ट कृषि, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, और रासायनिक उर्वरकों के कम प्रयोग के बारे में जानकारी मिल रही है, जिससे वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार तरीके से खेती कर सकते हैं।

कृषि से जुड़े मिथकों का निराकरण

सोशल मीडिया पर कई बार गलत जानकारी और मिथक फैलते हैं, लेकिन साथ ही यह सही जानकारी को फैलाने का भी एक अच्छा तरीका है। कृषि विशेषज्ञ और कृषि संस्थान सोशल मीडिया के माध्यम से गलत धारणाओं और मिथकों का निराकरण करते हैं, जैसे कि रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव या फसलों के लिए सही सिंचाई तकनीक। इससे किसानों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती करने में मदद मिलती है और वे बेहतर निर्णय ले पाते हैं।

निष्कर्ष

कृषि क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव गहरा और सकारात्मक रहा है। यह न केवल किसानों को नई जानकारी और तकनीकें प्रदान करता है, बल्कि उन्हें अपने उत्पादों को बेचने, नेटवर्क बनाने, और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में भी मदद करता है। हालांकि, इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे गलत जानकारी फैलना या तकनीकी संसाधनों की कमी, लेकिन सही दिशा में इसका उपयोग करके किसानों के जीवन में सुधार लाया जा सकता है। कृषि क्षेत्र में सोशल मीडिया का उपयोग आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण होने वाला है, और इससे जुड़ी संभावनाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए।

